

पद्माभरण

अर्थात्

कवि पद्माकरकृत

अलङ्कार का अपूर्व ग्रन्थ

जिसे

यन्त्राधीश बाबू रामकृष्णवर्मा ने

कवितास के प्रेमियों के लिये एक प्राचीन प्रति

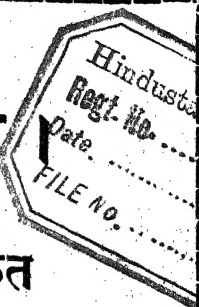
से अत्यन्त शुद्धतापूर्वक शोध कर

प्रकाशित किया ।

काशी ।

भारतजीवन यन्त्रालय में मुद्रित हुआ ।

सन् १९०० ई० ।



भारतजीवन यन्त्रालय का उप
मुद्रक-विज्ञान
शालावापी - काशी.